दैनिक

# क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 158
मुरादाबाद
(Monday)
28 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## मन की बात का 138वां एपिसोड : पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक को किया याद, जनगणना को बताया राष्ट्रीय जिम्मेदारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 138वें एपिसोड में सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति और 9/11 हमले के पीड़ितों को याद किया। अशोक सिंहल की जन्म शताब्दी पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मोढेरा सूर्य मंदिर के इतिहास का भी जिक्र किया। पीएम ने आज और किन-किन मुद्दों का जिक्र किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मन की बात के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 10 वर्ष पहले 28-29

सितंबर, 2016 को हुई स्ट्राइक को याद किया। पीएम ने बताया कि उस दिन एलओसी के पार जाकर भारतीय सेना के वीर जवानों ने जिस तरह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की थी, वो देख दुनिया हैरान थी। सर्जिकल स्ट्राइक ने डंके की चोट पर पूरी दुनिया के सामने भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया था। आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक, जो दर्द झेला था, सर्जिकल स्ट्राइक उस कष्ट के खिलाफ हमारी निर्णायक प्रतिक्रिया थी।प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। ऊर्जा दी, आज उसी का परिणाम है कि हम अयोध्या में भव्य मंदिर को साक्षात देख रहे हैं। बता दें, सिंहल विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष और अयोध्या राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख नेता थे।प्रधानमंत्री ने कहा कि 1026 ईस्वी में जब गजनी के हमले में सोमनाथ मंदिर का विध्वंस हुआ था, उसी साल गुजरात के मोढेरा स्थित प्रसिद्ध सूर्य मंदिर पर भी हमला हुआ था। उन्होंने कहा कि उस दौरान मोढेरा मंदिर को भी तोड़ा गया था। इस लिहाज से मोढेरा मंदिर के विध्वंस की घटना को भी इस साल एक हजार वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मोढेरा के सूर्य मंदिर का निर्माण 1025 ईस्वी में राजा भीमदेव ने कराया था। यानी मंदिर के निर्माण के महज एक साल बाद ही उस पर हमला हुआ और उसे नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि आज मोढेरा केवल अपने प्रसिद्ध सूर्य मंदिर के लिए ही नहीं जाना जाता, बल्कि गुजरात का यह गांव देश का पहला सोलर विलेज यानी सूर्य ग्राम भी बन चुका है। मनप्पारई में कैसे जीवंत रखी जा रही है अतीत की विरासत?- प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत से भारत का जुड़ाव आज भी बहुत जीवंत है। इसके पीछे उन लोगों का समर्पण और मेहनत है, जो अपनी कोशिशों से इस जुड़ाव को और गहरा बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के मनप्पारई में भी ऐसा ही एक अनूठा प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मनप्पारई के इस प्रयास का जिक्र करते हुए बताया कि देश की पुरानी विरासत और परंपराओं को बचाने में स्थानीय लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे प्रयास अतीत को आने वाली पीढ़ियों से जोड़ने का काम करते हैं।पीएम ने असम के सोनाई रुपाई वन्यजीव अभयारण्य का जिक्र करते हुए बताया कि एक समय यहां हाथियों का बसेरा हुआ करता था। लेकिन धीरे-धीरे जंगल की जमीन पर इंसानी दखल बढ़ने लगा, जिससे हाथियों ने इस इलाके से दूरी बना ली। करीब तीन साल पहले इस जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। इसके बाद अब इसके नतीजे सामने आने लगे हैं और हाथी फिर इस इलाके में लौट आए हैं। प्रधानमंत्री ने इसे प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों से सामने आए सकारात्मक बदलाव के तौर पर बताया। सिर्फ छह पिग्मी हॉग से शुरू हुआ अभियान, अब संख्या 190 से ज्यादा- इस दौरान उन्होंने असम में पिग्मी हॉग को बचाने के लिए चलाए गए संरक्षण कार्यक्रम का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक समय इस छोटे जीव के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा था। तब केवल छह पिग्मी हॉग के साथ संरक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया और बाद में उन्हें दोबारा जंगलों में बसाया गया। पिग्मी हॉग के रहने के लिए घास के मैदानों को भी बेहतर बनाया गया। प्रधानमंत्री के मुताबिक, इन प्रयासों का असर अब दिखाई दे रहा है और संरक्षण कार्यक्रम की वजह से पिग्मी हॉग की संख्या 190 से ज्यादा हो चुकी है। झारखाली की महिलाएं कैसे बना रही हैं मैंग्रोव का सुरक्षा-कवच?- पीएम ने पश्चिम बंगाल के झारखाली की महिलाओं के प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इनमें से ज्यादातर महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पति बाघ के हमले में मारे गए। पति को खोने के बाद इन महिलाओं को सुंदरबन से ही आजीविका का सहारा मिला और अब वे मैंग्रोव के जंगल तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं द्वारा लगाए गए मैंग्रोव के पेड़ अब गांवों के लिए प्राकृतिक सुरक्षा-कवच का काम कर रहे हैं। इसके साथ ही मैंग्रोव लगाने के काम से इन महिलाओं की कमाई भी हो रही है, जिससे पर्यावरण संरक्षण और आजीविका दोनों को बढ़ावा मिल रहा है। नशे के खिलाफ युवाओं ने लिया कौन सा संकल्प?-प्रधानमंत्री ने नशा मुक्त युवा अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि देश के लाखों युवाओं ने नशे और ड्रग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण संकल्प लिया है। युवाओं ने खुद नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा की है और इस संदेश को दूसरे लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी ली है। साथ ही आगे कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। जब युवा खुद नशे से दूर रहने का संकल्प लेते हैं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करते हैं, तो इससे समाज में नशामुक्ति का संदेश मजबूत होता है।प्रधानमंत्री ने राजिंदर सिंह सीनियर के प्रयासों का जिक्र करते हुए बताया कि वह युवा हॉकी प्रतिभाओं को खोजने और उन्हें प्रशिक्षण देने में मदद कर रहे हैं।

### संक्षिप्त समाचार

**ज्ञानेश कुमार पर तकरार: प्रियंका बोलीं- वे निष्पक्ष चुनाव कैसे करा सकते हैं; भाजपा ने पलटवार में क्या कहा?**

चुनाव आयोग को लेकर जारी विवाद में भाजपा और विपक्षी दलों के बीच आरोप प्रत्यारोप तेज हो गया है। भाजपा नेताओं ने आयोग के संयुक्त स्पष्टीकरण का हवाला देते हुए विपक्ष पर जनता को गुमराह करने और सांविधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाया। वहीं प्रियंका गांधी समेत अन्य विपक्षी नेताओं ने असहमति वाले नोट, एसआईआर और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए।चुनाव आयोग को लेकर चल रहे विवाद के बीच भाजपा और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग की ओर से जारी स्पष्टीकरण का हवाला देते हुए विपक्ष के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। वहीं, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर सवाल खड़े किए हैं। लेकिन किसी आंतरिक नोट को अंतिम फैसला या किसी आपत्ति को संस्थागत संकट के तौर पर पेश करने से पहले पूरा रिकॉर्ड सामने रखा जाना चाहिए।सीएम धामी ने कहा कि आंतरिक विचार-विमर्श लोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा है। धामी ने कहा कि सामने आए तथ्यों और रिकॉर्ड के आधार पर ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि चुनाव आयोग का अंतिम फैसला क्या था, आखिर में क्या घोषित किया गया और क्या वह कानून की कसौटी पर खरा उतरता है।

## बोले- चुनाव में गड़बड़ी पर आयोग का बचाव करने वाले खुद घोटाले में शामिल

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग को लेकर उठ रहे विवादों पर कहा कि जो लोग उनका बचाव कर रहे हैं। वो भी चुनाव में होने वाले वोटों के घोटाले में शामिल हैं।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की गड़बड़ी के कारण सपा की सरकार यूपी में नहीं बन सकी। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद हमने कहा था कि सपा समर्थकों के वोट काटे गए। 2017 में हम समझ नहीं सके। हम मानते थे कि चुनाव आयोग ईमानदारी से और निष्पक्ष होकर काम कर रहा होगा

पर ऐसा नहीं था। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग चुनाव में लंबे समय से गड़बड़ी कर रहा था पर अब सामने आ रही है। भाजपा के लोगों ने गांव-गांव से वोट कटवाने की कोशिश की और बड़ी संख्या में फॉर्म-7 भरकर भेजे। लखनऊ में एक ही व्यक्ति ने फॉर्म-7 भरकर 100 से ज्यादा वोट कटवाए जबकि एक व्यक्ति सिर्फ पांच लोगों के खिलाफ ही फॉर्म-7 जमा कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव में गड़बड़ी पर आयोग का बचाव कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वो भी घोटाले में शामिल हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गोरखपुर को स्पेन बताया जाता है पर वहां तो जगह-जगह पानी भरा है। उन्होंने कहा कि जहां पर मेट्रो चलने का दावा किया जा रहा था वहां पर अब नाव चल रही है। इन लोगों ने सैफई के बारे में बहुत कुछ बोला है पर सीखा नहीं। इन लोगों को सैफई से सीखकर गोरखपुर में विकास करवाना चाहिए। खिलाड़ियों की सभी मांगें घोषणापत्र में शामिल करेंगे अखिलेश यादव ने कहा कि घोषणापत्र में खिलाड़ियों की सभी मांगें शामिल की जाएंगी। ग्रामस्तर से लेकर राज्यस्तर पर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देंगे। स्ट्रक्रल चेंज भी करेंगे। खिलाड़ियों के लिए भोजन से लेकर, डॉक्टर और इक्विपमेंट्स की व्यवस्था करेंगे।

## एसआईआर विवादः असदुद्दीन ओवैसी ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल, कहा- चुनाव आयोग बताए फैसले किस बहुमत से लिए गए

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एसआईआर और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन में सरकार की भूमिका और आयोग के फैसलों के लिए अपनाई गई बहुमत प्रक्रिया पर सवाल किया।चुनाव आयोग को लेकर चल रहे विवाद के बीच एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन से लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया तक कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब 2023 या 2024 में संबंधित विधेयक संसद में पेश किया गया था, तब उनकी पार्टी ने आशंका जताई थी कि अगर सरकार इसी तरह मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करेगी तो जनता की नजर में आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे। ओवैसी ने कहा कि कानून मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने से प्रभावी तौर पर 2-1 का अनुपात बन जाता है। उन्होंने आयोग द्वारा लिए गए फैसलों को लेकर भी सवाल उठाया और पूछा कि आखिर कितने फैसले लिए गए और उन्हें किस बहुमत के आधार पर मंजूरी दी गई।एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि आयोग ने देशभर में कई फैसले लिए जाने और प्रक्रिया में संतुलन बनाए रखने की बात कही थी। इस संबंध में प्रेस नोट भी जारी किए गए थे। ओवैसी ने कहा कि उन्होंने

संसद में एसआईआर को बैकडोर एनआरसी यानी पीछे के रास्ते से एनआरसी लागू करने जैसा बताया था।ओवैसी ने कहा कि अगर आज तेलंगाना में कोई राजनीतिक दल जमीन पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है तो वह एआईएमआईएम है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में न तो एनआरसी हुआ था और न ही स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी किए गए थे। परिवार रजिस्टर को लेकर क्या बोले एआईएमआईएम सांसद?- उन्होंने चुनाव में इस्तेमाल होने वाले परिवार रजिस्टर को लेकर भी सवाल उठाया। ओवैसी के मुताबिक, चुनाव आयोग ने बिहार में सामने आई समस्याओं का हवाला देते हुए परिवार रजिस्टर को खारिज कर दिया। उन्होंने पूछा कि ऐसी स्थिति में पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कैसे संभाला जाएगा। ओवैसी ने कहा कि लोगों से ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने को कहा जा रहा है, जबकि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को घर-घर जाकर नोटिस बांटने हैं। उन्होंने दिल्ली में करीब 40 लाख मामलों की प्रक्रिया का भी जिक्र करते हुए पूछा कि ऑनलाइन काम, घर-घर जाना और दस्तावेज जुटाने जैसी गतिविधियां एक साथ कैसे पूरी होंगी।ओवैसी ने लगाए क्या आरोप?-उन्होंने कहा कि ये ऐसे काम हैं जिन्हें व्यावहारिक तौर पर पूरा करना बेहद मुश्किल है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में उठाए गए मुख्य सवाल का जवाब देने में सक्षम नहीं है। ओवैसी ने कहा कि वह शुरुआत से ही एसआईआर का विरोध करते रहे हैं। उनके मुताबिक, उन्हें लगता है कि एसआईआर को लेकर लिया गया फैसला गलत था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा।उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के फैसले बहुमत के आधार पर लिए जाने चाहिए थे। ओवैसी ने आयोग से देश को यह बताने की मांग की कि उसके फैसले किस तरह के बहुमत के आधार पर लिए गए। उन्होंने कहा कि आयोग को यह भी बताना था कि कितने फैसले बहुमत से लिए गए। ओवैसी ने कहा कि चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने असहमति वाले नोट दिए हैं। ऐसे में अगर फैसले बहुमत से नहीं लिए गए तो उनकी वैधता का सवाल उठता है। एसआईआर से देश की गरीबों पर पड़ा क्या बोझ?- ओवैसी ने कहा कि एसआईआर के कारण देश के गरीब लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। दस्तावेजों की तलाश में उन्हें जगह-जगह भटकना पड़ रहा है, जिससे उनकी गरिमा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों पर इतना बड़ा बोझ डाल दिया गया है

## कांग्रेस-सपा जीतें तो पुरुषार्थ, हारें तो चुनाव आयोग दोषी;योगी बोले-अपनी हरकतों के लिए मांगें माफी

सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचा रहा है। देश में समय-समय पर एसआईआर हुआ है। चुनाव आयोग, ईवीएम को दोष देना गलत है। राजधानी लखनऊ में रविवार को प्रेस वार्ता में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को निशाने पर लिया। एसआईआर को लेकर कांग्रेस, सपा और आरजेडी की बयानबाजी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिए भारत की संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने वाली हर साज़िश का हिस्सा बनते रहे हैं। सीएम ने कहा कि विपक्ष का रवैया हमेशा से ऐसा रहा है। इससे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। यह हैरानी की बात है कि देश की मुख्य विपक्षी

पार्टी और यूपीए गठबंधन से जुड़े अन्य दलों के मौजूदा काम और बयान बेहद गैर-जिम्मेदाराना हैं। साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी एसआईआर हुए हैं। 1952, 1962, 2003 में एसआईआर हुआ। इस बार एसआईआर को लेकर जितनी हायतौबा कांग्रेस, सपा, आरजेडी ने मचाई वो दुर्भाग्यपूर्ण है। इलेक्शन जीत जाएं तो इनका पुरुषार्थ और अगर जनता इनको खारिज कर दे तो इलेक्शन कमीशन, ईवीएम दोषी। यह कितना जायज है। राहुल गांधी ने कैंब्रिज में भारत की न्यायपालिका को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। जिस ईवीएम से कांग्रेस की देश और कई राज्यों में सरकार बनी उसे ब्लैक बॉक्स कहना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस के आपातकाल पर भी सीएम जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस ने देश के लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया। कई राज्यों में अनैतिक रूप से चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम किया गया। बालाकोट पर भारतीय सेना के शौर्य पर इन्होंने सवाल उठाए। ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्न खड़ा करना, यह कहां की देशभक्ति है।उन्होंने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों ने प्रेस के सामने आकर स्थिति स्पष्ट की है। इलेक्शन कमीशन और मुख्य चुनाव आयुक्त को कटघरे में खड़ा कर दुनिया में देश की बदनामी करने वाला कृत्य हैरान करने वाला है।ट्रोल करना चाहिए। लोकतंत्र में इस तरह के दुष्प्रचार के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। सीएम ने आगे कहा कि इलेक्शन कमीशन ने फॉर्म 6 और छूटे हुए मतदाताओं को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। कांग्रेस को अपने कृत्य के लिए संवैधानिक संस्थाओं और नागरिकों से माफी मांगनी चाहिए। 2019 में राफेल के मुद्दे पर भी उन्होंने कैग पर सवाल खड़े किए थे। ईवीएम के कारण कांग्रेस की कई राज्यों में और केंद्र में सरकार बनी, उसे ब्लैक बॉक्स कहना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

## संपादकीय Editorial

# Can the UN Stop War?

The meetings of the 193 member states of the United Nations General Assembly are beginning. War, peace, and stability are on the General Assembly's core agenda. However, wars can only be calmed and ended if warring countries can reach dialogue and agreement. Currently, such prospects are not visible in either the Russia-Ukraine war or the Iran war. The UN's importance, its call for mediation, and its collective relevance have been fragmented and diminished, leading to wars escalating. Ordinary people are dying, forced into displacement, or facing starvation and refuge. During the General Assembly, meetings and dialogues between US President Trump and Ukraine's emergency President Zelensky, as well as President Trump and Chinese President Xi Jinping, are scheduled to take place at the White House. It appears unlikely that Trump will be able to force Zelensky to stop the war. Trump even appealed to Zelensky over the phone to refrain from attacking Russian oil installations, power plants, and refineries. This will deepen the global crisis. Zelensky refused and launched more than 1,600 drones simultaneously, attacking energy installations in Moscow and surrounding areas. This was Ukraine's largest and most devastating attack on Russia. Although Russia claims its air defenses shot down 1,110 drones mid-air, the attacks by more than 450 drones proved devastating, devastating, and destructive. Nearly 40% of Russia's refining system has been destroyed. We have to buy petrol and diesel from India, even though Russia supplies the majority of India's crude oil. They seem unconcerned about US sanctions. President Trump has stated that this "stupid war" must stop, as more than 25,000 civilians and soldiers are dying every month. If the Russia-Ukraine war is "stupid," what kind of war is currently going on in Iran? Who forced that war? President Trump should not consider the rest of the world "stupid" and "ignorant." The horrifying statistics are that approximately 300,000-450,000 Russian soldiers have been killed in the four-and-a-half-year-long war. Some reports put the number of casualties and injuries at over one million. This amounts to a "humanitarian massacre." Independent and Western estimates suggest that 100,000-150,000 Ukrainian soldiers have been killed. President Zelensky has often placed these figures between 46,000 and 55,000. According to the Office of the United Nations High Commissioner for Human Rights, approximately 16,874 civilians were killed and over 51,000 injured in Ukraine from February 2022 to July 2026. In fact, Russia and Ukraine have never officially released data on military casualties, civilian casualties, and displaced persons, so only estimates from various organizations are valid. As a result of this most horrific, devastating, and destructive devastation, it's humanly possible to imagine how much Europe and Ukraine will shiver and shiver in the coming winter. The pipelines of Russia on one side and Saudi Arabia on the other are currently in a state of disrepair, unable to supply gas. Ukraine's capital, Kyiv, and major cities, including steel and power plants, are reported to have suffered 70-90% damage. Russia's extremely destructive and devastating attacks are ongoing. Both countries have launched missile and drone attacks against military warehouses, camps, supply stores, weapons depots, logistics centers, malls, and oil and gas installations, effectively destroying their very existence. How will the reconstruction of these countries be possible? Does President Zelenskyy want to prove himself the leader of a ruined nation? Russia is the largest country in the world. In the State Duma (equivalent to the Lok Sabha) elections.

# Independence must be accompanied by accountability: The judiciary is the guardian of democracy, commitment to the highest standards is essential.

Recently, a question by senior advocate Harish Salve has brought judicial accountability back into the spotlight. The judiciary is the guardian of democracy; to protect its reputation, it is essential that it itself be committed to the highest standards of law, procedure, and accountability. Senior advocate Harish Salve's question regarding the cash scandal involving Justice Yashwant Verma has brought the issue of judicial accountability back into the spotlight. In the sixth Ram Jethmalani Memorial Lecture on September 14, 2026, Salve asked whether, if such an incident had occurred at a minister's home, would the law have proceeded in the same manner as in Justice Verma's case. He also questioned how judicial independence can be considered separate from accountability. He further stated that the two are not contradictory, but complementary.

Harish Salve has given voice to the concerns of citizens who consider the judiciary the ultimate constitutional guardian of democracy and want to see its prestige at its highest. Citizens look to the judiciary for protection of their rights, checks on power, and the rule of law. Therefore, protecting judicial independence is essential. But independence cannot mean freedom from accountability. Independence gives judges the power to make decisions free from external pressure, while accountability ensures that this power is exercised in accordance with law, morality, and institutional decorum. The Indian Constitution clearly emphasizes this balance. Article 14 is the foundation for equality before the law, and Article 50 provides for the separation of the judiciary from the executive. Article 124(4) provides that a Supreme Court judge can be removed on the grounds of proven misbehavior or incapacity, only after a process involving a special majority of both Houses of Parliament. Article 124(5) empowers Parliament to determine by law the process for this investigation and conviction. Articles 217 and 218 apply this constitutional provision to High Court judges. Its purpose is to protect judges from political and administrative pressure. However, the stringent constitutional process for removing a judge from office does not obviate the need for an effective system for investigating serious conduct complaints. The judiciary has developed a system called "in-house procedures" to deal with complaints against judges. One of its objectives is to protect judges from baseless complaints and undue pressure. However, internal investigations, criminal investigations, and the constitutional process for removing a judge from office are distinct. Therefore, the relationship, limits, and circumstances for action between them need to be more clear. Transparency does not mean making every complaint public. The confidentiality of the complainant, the judge's reputation, the impartiality of the investigation, and judicial independence all need to be taken into account. Chief Justice Surya Kant himself stated at the same event that the judiciary must remain open to impartial, informative, and constructive criticism. No institution can insulate itself from investigation. He described the existing complaint system against judges as robust and timely, while also acknowledging the potential for improvement. The question of judicial accountability extends not only to complaints but also to judicial appointments and transfers. In this context, the experience of the National Judicial Appointments Commission (NJAC) is significant. The 99th Constitutional Amendment altered the appointment system and added Articles 124A, 124B, and 124C. However, in 2015, the Supreme Court declared the 99th Constitutional Amendment and the NJAC Act unconstitutional in terms iciary and the basic structure of the Constitution. Even after this decision, the question of reform in judicial appointments remains unresolved. If a judicial commission is considered in the future, its structure should be such that it safeguards the independence of the judiciary, balances the role of the executive, ensures transparency in the selection process, and prevents undue control by any single institution. Similarly, a modern judicial accountability law could be considered under Article 124(5). It could provide for preliminary screening of serious complaints, independent investigation, a time-bound process, protection from conflicts of interest, necessary transparency, and, where there is a prima facie question of guilt, coordination with the relevant criminal law. Such a law could enhance judicial independence. Judicial independence is a crucial element of the Constitution's basic structure. Therefore, the accountability system should ensure accountability within independence, rather than external control. True institutional reputation is built not by suppressing questions, but by providing credible answers to appropriate questions. Just as it is essential to protect judges from baseless allegations, it is also essential to impartially investigate serious and credible allegations. The balance between these two is the true test of judicial dignity. The need today is not to put any individual or institution on trial, but to create a system in which judicial independence, equality, fair process, transparency, and accountability are coexisting.Let's move together. Harish Salve's question highlights this broader constitutional concern. The answer lies not in supporting or opposing any individual, but in reforming the system. If the judiciary is the ultimate constitutional guardian of democracy, then to protect its reputation, it is essential that it itself be as committed to the highest standards of law, procedure, and accountability as it expects from society. To protect the judiciary's reputation, ensure its accountability, for it is not an opponent of freedom but its trusted guardian. This is the demand of democracy and the path to maintaining public trust over the long term.

# China's Dams and Catastrophe Concerns: What will happen when Himalayan disasters collide with projects on the Brahmaputra River?

China argues that development is its sovereign right. But what will happen when Himalayan disasters collide with China's proposed hydropower projects on the Brahmaputra River? The tragedy in Nepal on August 26th reminds us that the Himalayas are no longer just a geographical wall, but a highly fragile ecological region. Now the question is: what will happen when Himalayan disasters collide with China's proposed hydropower project on the Brahmaputra River in Tibet? Just days after the Nepal tragedy, Beijing reiterated its intention to move forward with it. This five-dam project, to be built on the lower Yarlung Zangbo (Brahmaputra) River, is estimated to cost ?14 lakh crore and could have a capacity of up to 60 gigawatts. Its proposed location near the 'Great Bend', before the river turns towards Arunachal Pradesh, makes it a strategic concern for India. Climate scientists and Himalayan communities have warned that rising temperatures, melting glaciers, erratic rainfall, unstable slopes, and thoughtless human intervention are making the mountains increasingly dangerous. China's massive dam project on the Yarlung Tsangpo River (which becomes the Brahmaputra in India) adds a new strategic dimension. The direct question for downstream countries is who will control the river's water, which supports millions of lives? Building such a massive dam in one of the world's most earthquake-prone and environmentally fragile regions carries immeasurable risks. A natural emergency triggered by an earthquake, landslide, or sudden water release could escalate into a transboundary disaster. China's control over the headwaters of many of Asia's major rivers has raised concerns among downstream countries. China's monopoly on Tibet's water resources could lead to tragedy and devastation for downstream countries. The Brahmaputra River underpins agriculture, fisheries, ecosystems, and the livelihoods of millions of people in India and Bangladesh. Its ecological balance is fragile. Large-scale encroachment into its upper reaches must be viewed as a regional security issue. This becomes even more crucial given that geography, geology, and geopolitics around the Himalayas are already dangerously intertwined. The real problem is the lack of transparency and guarantees. China's approach to hydrological data has been questioned. During the 2017 military standoff in Doklam, China shared data with Bangladesh but not with India. This leaves India ill-prepared to deal with floods in the Brahmaputra, even though China is obligated to share this information with India under the treaty. A country that controls the headwaters of rivers can impact agriculture, disaster preparedness, energy security, and ultimately, national security. This is why India cannot simply dismiss China's dam-building ambitions as a matter limited to Tibet. The tragedy in Nepal should be seen as a serious warning. When already unstable mountainous terrain is simultaneously subjected to the pressures of extreme weather, earthquakes, landslides, and large infrastructure projects, even minor oversights can escalate into major crises. Environmental protection in this region must now be considered a shared security responsibility for the entire region, and downstream countries should collectively demand transparency from China. International organizations should also support this. Emphasis should be placed on establishing a legally binding system for water and earthquake-related information, timely warnings, and coordination in emergencies.

\ through independent scientific assessments, rather than individual project evaluations. The devastation in Nepal is a clear example of the Himalayan situation. The solution cannot be to wait for the next disaster and count the deaths. Downstream countries and international organizations should work together to pressure China to sign binding agreements to share water and earthquake information.

# आफत की बारिश: करंट से दो की मौत, मुरादाबाद-संभल में मकान गिरने से पांच लोग घायल, अमरोहा में भी गिरे दो घर

मुरादाबाद मंडल में भारी बारिश से धान और गन्ने की फसलें गिरने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। मुरादाबाद और रामपुर में करंट से दो लोगों की मौत हुई, जबकि मकान गिरने से महिला समेत चार बच्चे घायल हो गए।मुरादाबाद मंडल में झमाझम बारिश से धान और गन्ने की फसलें गिर गईं इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

बारिश के बीच मंडल के रामपुर और मुरादाबाद में करंट से एक संविदाकर्मी लाइनमैन और एक हलवाई के बेटे की जान चली गई। वहीं, मुरादाबाद और संभल में मकान गिरने से महिला समेत चार बच्चे घायल हो गए। मुरादाबाद मंडल में शहर व देहात समेत रामपुर, संभल और अमरोहा में शनिवार को दिनभर बारिश से जनजीवन पर खासा असर पड़ा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद एक दिन पूर्व ही प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी थी। सुबह से देर शाम तक चली बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव के कारण आमजन को परेशानी झेलनी पड़ी।मंडल में सबसे अधिक बारिश रामपुर जिले में 163.4 एमएम रिकार्ड की गई। मुरादाबाद में 110 एमएम, अमरोहा में 70 एमएम और संभल में 77.5 एमएम बारिश दर्ज की गई।

बारिश के कारण मुरादाबाद के बंगला गांव मोहल्ले में बिजली के खंभे में करंट आने से एक हलवाई के बेटे की जान चली गई।

दूसरी ओर रामपुर जिले में टांडा कस्बे के भव्वलपुरी मोहल्ले में बिजली ठीक करते समय करंट लगने से एक संविदाकर्मी लाइनमैन की मौत हो गई। मुरादाबाद में नगर पंचायत पाकबड़ा के वार्ड-15 स्थित बुध बाजार मोहल्ले में लगातार हो रही बारिश के दौरान एक मकान भरभराकर गिर गया।हादसे में महिला अनीसा बेगम गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस दौरान घर में मौजूद उनकी चार बेटियां और एक बेटा बाल-बाल बच गए। दूसरी ओर संभल में पंवासा ब्लॉक के ग्राम किसौली में शनिवार शाम पांच बजे रंधारी के कच्चे मकान की छत अचानक गिर गई। मलबे में प्रतीक (2), साधना (7), वंश (9) और उपासना (12) दब गए। ग्रामीणों ने बच्चों को निकालकर गांव के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अमरोहा के रहरा क्षेत्र स्थित गांव फूलपुर में बारिश के चलते दो मकान भराभराकर गिर गए। गनीमत रही कि हादसे की आशंका होते ही परिजन घर से बाहर आ गए।मलबे में दबने के कारण घर में रखा राशन, कपड़े, फर्नीचर और अन्य आवश्यक सामान पूरी तरह से नष्ट हो गया है।

शहर से देहात तक कई अन्य जगहों पर बारिश के कारण मकान व दीवारें क्षतिग्रस्त हो गए। साथ ही कई जगहों पर धान और गन्ने की फसल बिछ गई, जिससे किसानों को खासा नुकसान हुआ है।यूपी में 57 की मौत, 100 से ज्यादा घर हुए क्षतिग्रस्त -प्रदेश में बृहस्पतिवार आधी रात के बाद शुरू हुआ बारिश का सिलसिला शनिवार शाम तक भी नहीं थमा। इतना बरसा कि बारिश लोगों के लिए आफत बन गई। कई जगह कच्चे मकान ढह गए। जगह-जगह पेड़, पोल गिरने से रास्ते बाधित हो गए। बिजली के पोल उखड़ने और लाइन टूटने से आपूर्ति बाधित हुई।बारिश के कारण हुए हादसों में प्रदेश भर में 57 लोगों की जान चली गई। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी प्रदेश के 13 जिलों में भारी बारिश के संकेत हैं। मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत और बरेली में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। तराई के नौ अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

# मुरादाबाद में 80% पूरा हुआ गागन नदी पर बने नए पुल का काम, दिसंबर से दौड़ेंगी गाड़ियां

गागन नदी पर बन रहे बहुप्रतीक्षित पुल का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जिससे मुरादाबाद के लोगों को दिसंबर तक आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।गागन नदी पुल का 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हुआ। पुल के 16 में से 14 गार्डर सफलतापूर्वक स्थापित किए गए।- दिसंबर तक वाहनों के लिए पुल खुलने की संभावना है।गागन नदी पर बन रहा बहुप्रतीक्षित पुल अब आकार लेने लगा है। निर्माण कार्य करीब 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। पुल के 16 में से 14 गार्डर स्थापित किए जा चुके हैं और शेष दो गार्डर लगाने की तैयारी चल रही है। काम की रफ्तार यही रही तो दिसंबर 2026 तक पुल पर आवागमन शुरू होने की उम्मीद है। ब्रिज कॉरपोरेशन की ओर से कराए जा रहे पुल का निर्माण 28 नवंबर 2025 शुरू हुआ था। इसके बाद से निर्माण कार्य लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। अब पुल का ढांचा तेजी से तैयार हो रहा है। चार गार्डर पर स्लैब डालने का काम भी पूरा किया जा चुका है।शेष हिस्सों में भी निर्माण कार्य चल रहा है। गागन नदी पर पुल बनने से आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अभी नदी पार करने के लिए लोगों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ता है।पुल तैयार होने के बाद आवाजाही अधिक सुगम होगी और आसपास के इलाकों के बीच संपर्क भी बेहतर होगा। निर्माण की प्रगति को देखते हुए दिसंबर तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अधीक्षण अभियंता एसपी सिंह ने बताया कि समय से काम पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।14 गार्डर लगे, दो का इंतजार- ब्रिज कारपोरेशन के अधिकारियों के अनुसार पुल में कुल 16 गार्डर लगाए जाने हैं। इनमें से 14 गार्डर स्थापित हो चुके हैं। अब दो गार्डर लगाए जाने हैं। इसके बाद स्लैब समेत अन्य शेष निर्माण कार्यों को पूरा किया जाएगा। अधिकारियों की निगरानी में निर्माण एजेंसी काम को निर्धारित समय में पूरा करने में जुटी है।

# आफत की बारिश:36 घंटे से लगातार बारिश से रामपुर में कई मकान गिरे, एक महिला की मौत

## मलबे से निकाले गए पशु और मुआवजा शुरू, लेकिन धान की फसल पर मंडराया बर्बादी का खतरा

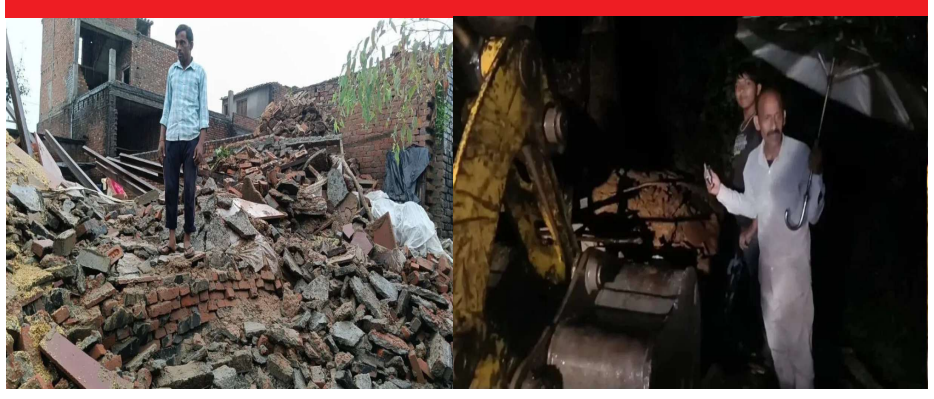

रामपुर में 36 घंटे से जारी मूसलाधार बारिश ने मचाई तबाही। गंज में मकान गिरने से महिला की मौत, शाहबाद में मकान ढहने से पशु की जान गई। धान की फसल को भारी नुकसान की आशंका।जिले में पिछले 36 घंटों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। शहर से लेकर देहात तक जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश की वजह से जहां एक तरफ धान की फसल बर्बाद होने की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ कच्चे मकान गिरने से बड़ा हादसा हो गया। गंज थाना क्षेत्र के काशीपुर गांव में बारिश के कारण एक कच्चा मकान अचानक ढह गया। हादसे में मलबे के नीचे दबने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई।शाहबाद में दो मकान गिरे, मलबे में दबे मवेशी- दूसरी घटना शाहबाद क्षेत्र के चकरपुर कदीम गांव की है। यहां शनिवार देर रात तेज बारिश के बीच गांव के रामनिवास और उनके चाचा पूरन के मकानों का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया। रामनिवास जिस मकान में मवेशी बांधते थे, उसकी छत गिरने से मलबे में दबकर एक भैंस की मौत हो गई, जबकि दो पशु गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई इंसान चपेट में नहीं आया। जेसीबी से निकाला गया मलबा, प्रशासन अलर्ट-मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर मौके पर ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस और नायब तहसीलदार की टीम राहत कार्य के लिए पहुंची। जेसीबी की मदद से घंटों मशक्कत के बाद मलबे को हटाकर दबे हुए पशुओं को बाहर निकाला गया। मौत और मकान के नुकसान का मिलेगा मुआवजाशाहबाद के उपजिलाधिकारी (स्थरू) आदेश कुमार ने बताया कि हादसे का जायजा ले लिया गया है। प्रभावित परिवार को पशु की मौत और मकान के नुकसान का नियमानुसार मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लगातार हो रही बारिश से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

# मुरादाबाद में 3 स्टेशनों पर 32 करोड़ से बढ़ेंगी सुविधाएं, फाटक की जगह बनेगा अंडरपास

मुरादाबाद मंडल के तीन रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के संचालन क्षमता और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 32.01 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है।मुरादाबाद के तीन स्टेशनों पर 32.01 करोड़ का टेंडर जारी।लंबी मालगाड़ियों के लिए अतिरिक्त लाइनें और ऊंचे प्लेटफॉर्म बनेंगे। अगवानपुर में रेलवे फाटक की जगह अंडरपास का निर्माण होगा।मुरादाबाद मंडल के दलालनगर, चोडियाला और अगवानपुर रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के संचालन की क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। रेलवे ने तीनों स्टेशनों पर अलग-अलग कार्य कराने के लिए 32.01 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। टेंडर डालने की अंतिम तारीख आठ अक्टूबर निर्धारित की गई है। कार्य पूरा होने के बाद लंबी मालगाड़ियों को स्टेशन पर खड़ा करने, दूसरी ट्रेनों को आगे निकालने और यात्रियों की सुविधाओं में सुधार में मदद मिलेगी। तीनों स्टेशनों पर मुख्य रेललाइन के दोनों ओर अतिरिक्त लाइनें विकसित की जाएंगी। इन लाइनों की लंबाई इतनी रखी जाएगी कि लंबी मालगाड़ी को पूरी तरह खड़ा किया जा सके। इससे मालगाड़ियों को मुख्य रेललाइन पर रोकने की आवश्यकता कम होगी और दूसरी ट्रेनों के संचालन के लिए मुख्य लाइन खाली रखी जा सकेगी।स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए नए और ऊंचे प्लेटफॉर्म भी बनाए जाएंगे। इससे यात्रियों को ट्रेनों में चढ़ने और उतरने में सहूलियत मिलेगी। रेलवे फाटकों से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए भी निर्माण कार्य कराया जाएगा। सिग्नल व्यवस्था को बेहतर करने के साथ रेलवे के संचार तंत्र से जुड़े भवन भी बनाए जाएंगे।अगवानपुर में फाटक की जगह बनेगा अंडरपास- अगवानपुर स्टेशन पर प्रस्तावित कार्य स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। यहां रेलवे फाटक के स्थान पर अंडरपास बनाने की योजना है। अंडरपास तक पहुंचने के लिए सड़क भी बनाई जाएगी। इससे ट्रेन आने के दौरान फाटक बंद होने पर सड़क पर वाहनों की कतार लगने की समस्या कम होगी। लोगों को रेलवे लाइन के नीचे से आवागमन का सुरक्षित रास्ता भी मिल सकेगा। परियोजना में रेलवे लाइन के नीचे बने छोटे पुलों को बड़ा करने और आवश्यकता के अनुसार अन्य निर्माण कार्य भी शामिल किए गए हैं। इससे बारिश के पानी की निकासी और रेलवे लाइन के नीचे से आवागमन की व्यवस्था को बेहतर करने में मदद मिलेगी। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि तीनों स्टेशनों पर प्रस्तावित कार्यों का उद्देश्य ट्रेनों के संचालन को सुगम बनाना है। इसके साथ ही यात्रियों और आसपास के लोगों को होने वाली दिक्कतों को भी कम किया जा सकेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### बरेली के पूर्व डिप्टी जेलर के बेटे समेत 13 साइबर ठग गिरफ्तार, देश भर में कर चुके थे 10 करोड़ से ज्यादा की ठगी

मुरादाबाद पुलिस ने देश भर में लोगों से ठगी करने वाले 13 अंतरराज्यीय साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है।मुरादाबाद में 13 अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरफ्तार किए गए। चार साल में 10 करोड़ से अधिक की ठगी की।- एपीके फाइल और निवेश के नाम पर लोगों को ठगते थे।देश भर के लोगों को एपीके फाइल भेजकर और निवेश के नाम पर ठगी करने वाले बरेली के पूर्व डिप्टी जेलर जुल्फेकार अली के बेटे मुहम्मद दनियाल समेत उत्तराखंड, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश निवासी 13 अंतरराज्यीय साइबर ठगों को सिविल लाइंस पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ,बीते चार साल से यह ठगी कर रहे थे। अब तक करीब पांच हजार म्यूज बैंक खातों में यह साइबर ठगी करके रकम पहुंचा चुके हैं। गिरोह मुरादाबाद में ठिकाना बनाने के लिए आया था। गिरोह का सरगना फरार है। इनके संपर्क में विदेश में बैठे साइबर ठग भी है। आरोपित किसी एक स्थान पर अधिक नहीं रुकते थे।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि गिरोह के लोग करीब एक माह ही एक शहर में रहते हैं। उस शहर में रहकर स्थानीय लोगों की मदद से कुछ म्यूल बैंक खाते लेकर ठगी करने लगते हैं, लेकिन जिस घर या फिर होटल में अपना आशियाना बनाते हैं वहां पर बैठकर ठगी करने के लिए किसी को फोन नहीं करते हैं।दुबई समेत कई खाड़ी देशों में बैठे साइबर ठगों के संपर्क में थे

जब भी इन लोगों को ठगी करनी होती है तो कार में बैठकर रोड पर निकल जाते हैं। बीते चार साल में यह गिरोह दस करोड़ से अधिक की ठगी कर चुका है। दुबई समेत कई खाड़ी देशों में बैठे साइबर ठगों के भी यह गिरोह संपर्क में है। इन ठगों को म्यूल खाते यही उपलब्ध कराते हैं।

अब तक पांच हजार से अधिक म्यूल खातों में यह साइबर ठगी की रकम डलवा चुके हैं और उसके बाद अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर लेते थे। गिरोह के सभी लोग अब मुरादाबाद अपना ठिकाना बनाने आए थे। जानकारी पर सिविल लाइंस पुलिस ने सोनकपुर पुल के पास में चेकिंग शुरू कर दी।

दो कारों में सवार होकर आ रहे श्रीनिवास लू निवासी गांव चंद्रपडिया थाना बीजा मुरु जनपद नल्लौर आंध्र प्रदेश, विविध पटेरिया निवासी रहेली खास थाना सहेली जिला सागर मध्य प्रदेश, दिव्यम कुमार निवासी मटोर थाना मोहाली चंडीगढ़, अरमान शाह जसपुर उत्तराखंड, सतेंद्र कुमार, राजकुमार निवासी भगवंतपुर थाना जसपुर उत्तराखंड, मंजीत सिंह उर्फ नन्हे निवासी मुहल्ला बीरेनी थाना बाजपुर उत्तराखंड, शिवम विश्वास निवासी धर्म नगरी थाना कोतवाली बिजनौर, मोहम्मद दनियाल निवासी मुहल्ला गेट जाफरा खां ओल्ड सिटी थाना बरादरी बरेली, दलवीर चौहान निवासी विकास नगर मझोला, आजम निवासी देवापुर कटघर, सुमित बैंक कालोनी खुशहालपुर मझोला, महेंद्र सिंह निवासी हजीरा बाजपुर उत्तराखंड को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 26 हजार रुपये, लैपटॉप, सिम के अलावा दो कार बरामद की है।

### पिंजड़े में फंस गया शिकारी- शेरपुर पट्टी में 20वां तेंदुआ काबू, बारिश के बीच गांव वालों ने ली राहत की सांस

शेरपुर पट्टी गांव में कई दिनों से डर का माहौल बनाने वाला तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। रविवार सुबह छत्रपाल के खेत के पास लगे पिंजरे में तेंदुआ गुर्राता मिला, जिसे देखकर गांव वालों ने राहत की सांस ली। 5 दिन पहले इस तेंदुए ने एक पालतू कुत्ते पर हमला किया था, जिसके बाद वन विभाग ने पिंजरा लगाया था। इलाके में अब तक 20 तेंदुए पकड़े जा चुके हैं, फिर भी 46 पिंजरों से गश्त और निगरानी जारी है।शेरपुर पट्टी गांव में पिछले कई दिनों से डर का कारण बना तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में फंस गया। शनिवार देर रात पिंजरे में कैद हुए तेंदुए को देखकर गांव वालों ने राहत की सांस ली। इस इलाके से पकड़ा जाने वाला यह 20वां तेंदुआ है। पशुशाला के पास पिंजरे में गुर्राता मिला तेंदुआ- रविवार सुबह जब गांव के छत्रपाल सिंह, सुदेश कुमारर लगे पिंजरे में तेंदुए को गुर्राते देखा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर नपेंगे अफसर: संचारी रोगों पर डीएम सख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में रविवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक हुई। डीएम ने स्पष्ट कहा कि जनस्वास्थ्य के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। डीएम ने निर्देश दिए कि बारिश और जलभराव के बाद संक्रामक बीमारियां न फैलें, इसके लिए सभी सीएचसी व पीएचसी पर दवाओं और इलाज के पुख्ता इंतजाम रहें। उन्होंने सभी कार्यों की पोर्टल पर शत-प्रतिशत फीडिंग अनिवार्य करते हुए चेतावनी दी कि काम में कोताही बरतने वाली एएनएम (ANM) और आशाओं के मानदेय भुगतान में देरी करने वाले स्वास्थ्य केंद्रों पर सीधी कार्रवाई होगी। आभा आईडी और ई-संजीवनी में जिले के पिछड़ने पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने प्रगति तेज करने के आदेश दिए। साथ ही दस्तक अभियान के तहत टीबी मरीजों की खोज और आईजीआरएस शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। बैठक में सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह सहित सभी चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।

# भजन सम्राट अनूप जलोटा को बरेली में खत्री जाति रतन सम्मान से सम्मानित किया जाएगा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। भजन सम्राट अनूप जलोटा सहित तीन विभूतियों को बरेली में खत्री जाति रतन सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी समस्त खत्री महासभा (आल इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनंत अरोड़ा ने एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया यह समस्त खत्री महासभा अपने 14 राज्यों में अपना सक्रिय कार्य कर रही है। हर वर्ष की भांति खत्री जाति रतन सम्मान समारोह सोमवार को रात्रि 8 बजे होटल रमाडा में आयोजित किया जाएगा। भजन सम्राट खत्री अनूप जलोटा जी, दिल्ली से पद्म श्री एवं पदम्म विभूषण डॉ अशोक सेठ, उत्तर प्रदेश से नाथ नगरी बरेली से सिद्धिविनायक ग्रुप इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन श्री अनुपम कपूर जी को प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम का संयोजक खत्री सौरभ मेहरोत्रा एवं सह संयोजक खत्री विशाल मेहरोत्रा को बनाया है। कार्यक्रम संयोजक सौरभ मेहरोत्रा ने बताया कार्यक्रम में खत्री जाति रत्न सम्मान समारोह विभिन्न सामाजिक संगठन को भी सम्मानित किया जाएगा, और सर्वसम्मति से समाज की राजनीतिक भागीदारी पर भी चर्चा होगी। सहसंयोजक विशाल मेहरोत्रा ने बताया यह बरेली का सौभाग्य है देश के सबसे उत्कर्ष सम्मान खत्री जाति रतन बरेली में आयोजित हो रहा है। इसको सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है जिसमें 14 प्रदेशों से लगभग 100 शहरों से ज्यादा खत्री और बरेली के सजातीय संगठन शामिल रहेंगे बरेली से खत्री अनुपम कपूर जी को खत्री जाति रत्न मिलना एक
बहुत बड़ा सौभाग्य का विषय है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### यूपी में मूसलाधार बारिश से हाहाकार: 56 की मौत, 1021 मकान गिरे; 56 जिलों में भारी तबाही

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली,लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले 48 घंटों से जारी अतिवृष्टि और आंधी-तूफान ने भीषण तबाही मचाई है। आपदा के चलते बीते 60 घंटों में 56 लोगों की मौत हो गई, 46 घायल हुए हैं और 107 मवेशियों की जान चली गई। इसके अलावा 1021 मकान जमींदोज हो गए हैं, जिनमें सर्वाधिक नुकसान हरदोई (272) और सीतापुर (108) में हुआ है। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के अनुसार, प्रदेश में सामान्य से 775% अधिक बारिश दर्ज की गई है। राज्य के 75 में से 56 जिले अत्यधिक बारिश से प्रभावित हैं, जिनमें फर्रूखाबाद (7385%) और कन्नौज (5664%) सबसे आगे हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए राहत आयुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को दफ्तर छोड़ फील्ड में उतरने, प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद करने और फसल व मकान क्षति का तत्काल आकलन कर मुआवजा वितरण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील करते हुए आपातकालीन हेल्पलाइन 1070 जारी की है।

# खाद पर खर्च आधा, मुनाफा ज्यादा: बरेली IVRI में किसानों को मिला सुपर फॉर्मूला

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कृषि विज्ञान केंद्र, IVRI इज्जतनगर (बरेली) में ICAR-IARI की मारुति सीएसआर परियोजना के तहत मुरादाबाद के 50 किसानों को किण्वित जैविक खाद (Fermented Organic Manure) और प्राकृतिक खेती का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

वैज्ञानिकों के टॉप टिप्स- लागत में 30% तक कटौती: केवीके अध्यक्ष डॉ. अरविंद सिंह तेतरवाल ने बताया कि फसल अवशेष व पशु अपशिष्ट से बनी यह खाद यूरिया-डीएपी का खर्च 25-30% घटा देती है। तुरंत असर और भरपूर पोषण: डॉ. आर. एल. सागर और डॉ. रंजीत सिंह के अनुसार, तरल रूप में होने के कारण इसके पोषक तत्व पौधों को तुरंत मिलते हैं, जिससे दाने और पैदावार दोनों शानदार होते हैं। फसल रोगों पर वार: डॉ. लक्ष्य यादव ने स्पष्ट किया कि इसमें मौजूद मित्र जीवाणु जड़ सड़न और उकठा (Wilt) जैसी बीमारियों का खात्मा करते हैं। संतुलित इस्तेमाल जरूरी: डॉ. एस. एस. राठौर और डॉ. विशाल सिंह सोमवंशी ने बिना मिट्टी जांच के अंधाधुंध रासायनिक खाद न डालने की सलाह दी।एक्स्ट्रा इनकम का मॉडल: CARI के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एम. पी. सागर ने खेती के साथ मुर्गी पालन को छोटे किसानों के लिए डबल मुनाफे का रास्ता बताया।

CBG प्लांट का लाइव डेमो किसानों को सीबीजी (CBG) प्लांट का दौरा कराया गया, जहां संचालक शकील अहमद ने पराली और कचरे से उच्च गुणवत्ता वाली खाद बनाने की तकनीक दिखाई। टीम वर्क कार्यक्रम को सफल बनाने में IVRI की संयुक्त निदेशक डॉ. रूपसी तिवारी, IARI की विशेषज्ञ टीम और युवा पेशेवर मनीष कुमार प्रजापति व मुनीश पाल की अहम भूमिका रही।

# बारिश के चलते कार्यक्रमों में शामिल नहीं होंगे बच्चे, डीएम ने दिए तैयारियों के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महात्मा गांधी जयंती व सेवा संकल्प अभियान के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दो अक्टूबर को होने वाले आयोजनों की तैयारियों को लेकर डीएम अविनाश सिंह ने विगत दिवस कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जिम्मेदारियां तय कीं। बारिश की संभावना को देखते हुए उन्होंने छोटे बच्चों को गांधी जयंती के कार्यक्रमों में शामिल नहीं करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जिला स्तरीय प्रदर्शनी लगाई जाए।

प्रदर्शनी की फोटो और वीडियो 'मेरे सपनों का भारत' हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर साझा करने के निर्देश दिए। सभी विधानसभाओं में नुक्कड़ नाटक कराने और आंगनबाड़ी केंद्रों पर आशाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सम्मान समारोह आयोजित करने को कहा। गांधी जयंती पर कुष्ठ आश्रम, वृद्धाश्रम और मलिन बस्तियों में विशेष कार्यक्रम होंगे। मलिन बस्तियों में सफाई कराने के साथ पौधरोपण किया जाएगा। एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि सुबह सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। कार्यालयों व शिक्षण संस्थानों में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके विचारों पर प्रकाश डाला जाएगा। 'रघुपति राघव राजा राम' का सामूहिक गायन भी होगा। चौकी चौराहा स्थित गांधी प्रतिमा पार्क की विशेष सफाई कराई जाएगी। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह, जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर, जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत सिंह, बीएसए विनीत शुक्ला आदि अफसर मौजूद रहे।

### एयरपोर्ट पर खराब मौसम का असर बारिश में लो विजिबिलिटी के चलते दिल्ली की फ्लाइट रद्द

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। खराब मौसम ने बरेली से दिल्ली की हवाई सेवा पर ब्रेक लगा दिया।बीते दिवस सुबह दिल्ली से बरेली आए एयरक्राफ्ट को वापस में 35 यात्रियों को लेकर रवाना होना था, लेकिन लगातार बारिश और प्रतिकूल मौसम के चलते उड़ान का संचालन नहीं हो सका। विमान को बरेली एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना करने के बजाय उड़ान रद्द करनी पड़ी। बरेली से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्हें आगे के सफर के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी। बरेली एयरपोर्ट के निदेशक अवधेश अग्रवाल ने बताया कि खराब मौसम और बारिश के कारण दिल्ली जाने वाली उड़ान रद्द की गई है। सुरक्षा को देखते हुए मौसम अनुकूल नहीं होने पर विमान का संचालन संभव नहीं था।

# बारिश से बरेली में धान, गन्ना और सब्जियां तबाह

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शुगर एवं धान बैल्ट से फिर कुदरत रूठी है। 48 घंटे से लगातार हो रही बारिश ने बरेली के अंदर खेतों में खड़ी धान, सब्जी, दलहनी फसलों को डुबो दिया है। भारी बारिश और तेज हवाओं की वजह से कैश क्रॉप गन्ना भी खेतों में गिरने की खबरें आ रही हैं। फसलों की हालत देख किसान तड़प रहे हैं और बाजार के जानकार टेंशन में आ रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने पानी डूबने से फसलें सड़ने और फंगस लगने की आशंका जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि आसमान से बरसी आफत आगे दाल, चावल, चीनी के उत्पादन पर बड़ा असर डाल सकती है और इसके साइड इफेक्ट महंगाई के रूप में सामने आ सकते हैं। शुक्रवार सुबह से शुरू हुई बारिश का दौर शनिवार पूरी रात भी नहीं थमा। बरेली देहात से फसलों को भारी नुकसान की सूचना है। खेतों में खड़ी धान, गन्ना, सब्जी की फसलों को खासा नुकसान पहुंचाया है। नवाबगंज, बहेड़ी, फरीदपुर, आंवाल, मीरगंज तहसील क्षेत्र के किसानों से जानकारी मिली है कि अभी धान की बालियां पूरी तरह तैयार थीं। तेज हवाओं के साथ बालियों से लदा धान खेतों में बिछ गया। कटाई के मुहाने पर ऐसा होना अन्नदाताओं को खून के आंसू रुलाने जैसा है। ऐसी ही बर्बादी स्थिति तिल के खेतों में भी हुई है। गन्ने जैसी फसल भी खेतों में गिर गया है या झुक गई है। खेतों में जलभराव से उड़द, मूंग, तिल समेत अन्य दलहनी और तिलहनी फसलों पर भी संकट गहरा गया है। सब्जियों में सड़न और फंगस का खतरा बढ़ने से किसानों की चिंता और बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों में बरेली जिले के अंदर साढ़े 5 लाख के करीब किसान हैं, जिनमें सबसे धान उत्पादन से जुड़े हैं। धान के लिए जनपद में 1,58,592 हेक्टेयर का लक्ष्य था, जबकि 1,58,627.44 हेक्टेयर में फसल बोई गई है।

# बरेली में भारी बारिश के चलते तापमान लुढ़का

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश ने पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। मौसम विभाग के जारी आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को सितंबर महीने में अधिकतम तपामान अब तक के सबसे निचले स्तर पर चला गया। मौसम विभाग के पास मौजूद पिछले 57 सालों के रिकॉर्ड के मुताबिक शनिवार सितंबर का सबसे ठंडा दिन रहा। अधिकतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने पिछले 33 घंटों के अंदर बरेली में करीब 275 मिमी बारिश दर्ज की।

मौसम विभाग के पास सितंबर महीने में सबसे कम अधिकतम तापमान के 1969 तक के रिकॉर्ड मौजूद हैं। जिसमें इससे पहले 18 सितंबर 2012 को 23.3 डिग्री सेल्सियस सबसे कम अधिकतम तापमान दर्ज किया गया था। 16 सितंबर 2005 में 24 डिग्री सेल्सियस, 27 सितंबर 2007 में 24.2 डिग्री सेल्सियस, 25 सितंबर 1983 को 24.3 डिग्री सेल्सियस सबसे कम अधिकतम तापमान दर्ज किया था। दूसरी तरफ न्यूनतम तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। न्यूतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बरेली के अलावा शाहजहांपुर, आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद में दिन का अधिकतम तापमान सितंबर माह में अपने प्रेक्षण इतिहास के सबसे न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने बताया कि जारी भारी बारिश में कमी आने की संभावना है।

### टहाताजपुर तिराहे पर बिथरी पुलिस का शिकंजा, तमंचा सहित गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बिथरी पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर देर रात टहाताजपुर तिराहे पर घेराबंदी कर एक युवक को अवैध हथियार के साथ दबोच लिया। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान 23 वर्षीय सनी पुत्र गंगाशरण, निवासी श्यामनगर गौटिया के रूप में हुई है। जामा तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान आरोपी ने तमंचा किसी अज्ञात व्यक्ति से लेने की बात कही। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0 573/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। बरामदगी- एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस 315 बोर पुलिस टीम- थानाध्यक्ष राजेश बाबू मिश्रा, उ0नि0 नगेन्द्र सिंह, उ0नि0 अंकुर, हे0का0 इस्लाक अहमद एवं का0 सचिन कुमार।

# तीसरी FIR से बढ़ी अमल सैनी की मुश्किलें, ब्लैकमेलिंग-वसूली के आरोपों की जांच तेज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कथित पत्रकार व यू-ट्यूबर अमल सैनी के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। यातायात पुलिस में तैनात टीएसआई जसपाल सिंह की तहरीर पर अमल सैनी व उसके दो-तीन अज्ञात साथियों के खिलाफ पुलिसकर्मियों की फोटो-वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी, रुपये मांगने, यातायात व्यवस्था में बाधा डालने और कथित कूटरचित एआई तस्वीरें प्रसारित करने के आरोप लगाए गए हैं। हर माह रुपये मांगने का आरोप- तहरीर के मुताबिक ड्यूटी प्वाइंट पर पहुंचकर पुलिसकर्मियों से कथित तौर पर हर माह रुपये देने की मांग की जाती थी। रुपये नहीं देने पर जाम की तस्वीरें वायरल कर बदनाम करने की धमकी देने का आरोप है। कलेक्ट्रेट मामले में 15 हजार की मांग का आरोप- इससे पहले एडीएम प्रशासन के स्टेनोग्राफर संजीव कश्यप की शिकायत पर अमल सैनी समेत चार अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि वीडियो बनाकर 15 हजार रुपये मांगे गए और 10 हजार रुपये देने के बाद वीडियो हटाया गया। महिला आत्मदाह प्रकरण में भी जेल- महिला को आत्मदाह के लिए कथित रूप से उकसाने के मामले में अमल सैनी और उसके साथी शोएब को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस के अनुसार विभिन्न मामलों में सामने आए आरोपों की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो, फोटो और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, सभी आरोप शिकायतों और पुलिस रिपोर्टों पर आधारित हैं तथा इनकी अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

## भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों से कपिल राज की महत्वपूर्ण भेंट

क्यूँ न लिखूँ सच / लखनऊ। लखनऊ स्थित वीआईपी गेस्ट हाउस में कपिल राज ने राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य एवं केंद्रीय मंत्री माननीय रवि रामू कलोसे जी, मध्य प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री स्तर के माननीय प्रताप करोसिया जी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन लाल जी से आत्मीय भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर वाल्मीकि समाज एवं सफाई कर्मचारी समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, राष्ट्रीय वाल्मीकि सम्मेलन की तैयारियों तथा आगामी सामाजिक गतिविधियों को लेकर सार्थक एवं महत्वपूर्ण चर्चा हुई। कपिल राज ने बताया कि सम्मेलन को सफल एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय मंत्रियों एवं विभिन्न वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों से भेंट कर आवश्यक विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि समाज से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने तथा सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

## वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर 2012 लोगों ने किया सामूहिक गायन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / डॉ. देवेन्द्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बिलारी में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक राष्ट्रगीत गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया-बहनों, आचार्यों, पूर्व छात्रों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मेरठ प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री प्रदीप कुमार गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं साक्षी के रूप में पी.एम. श्री राजकीय इंटर कॉलेज, नगालिया जट्ट, मुरादाबाद के प्रधानाचार्य रघुपति देव सिंह उपस्थित रहे। सामूहिक राष्ट्रगीत गायन में विद्यालय के 1847 भैया-बहनों, 54 आचार्यों, 54 पूर्व छात्रों तथा 63 अभिभावक बंधुओं एवं बहनों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कुल लगभग 2012 लोगों की उपस्थिति रही। सभी ने एक स्वर में राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन कर देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।विद्यालय के प्रधानाचार्य शीतल प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, विद्यार्थियों, आचार्यों, पूर्व छात्रों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

## कानपुर दवा कारोबारी हत्याकांड: 100 रुपये दे लारेब से बनवाई थी चाबी, इसलिए तोते की तरह जुर्म कबूलता गया सुब्रत

कानपुर के दवा कारोबारी हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। 100 रुपये देकर लारेब से चाबी बनवाई थी। सुब्रत और विशाल शुरुआत में पुलिस को गुमराह कर रहे थे कि चाबी गुमटी में शालू ने बनवाई थी। पुलिस कमिश्नर के झांसे में आकर आरोपी बेटा सुब्रत तोते की तरह जुर्म कबूलता गया।कानपुर में दवा कारोबारी विनीत मिनोचा हत्याकांड में निर्दोष होने के बावजूद जेल भेजी गई शालू जल्द ही जेल से आजाद हो सकती है। पुलिस की ओर से कोर्ट में शालू को निर्दोष बताते हुए नौ पन्नों की क्लोजर रिपोर्ट पेश की है। पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट में चार प्रमुख बिंदुओं को आधार बनाया है।

सीपी रघुबीर लाल ने बताया कि जांच में स्पष्ट हुआ कि शालू ने रतन ऑर्बिट के सुरक्षाकर्मी से विशाल को शुभम बताते हुए कहा था कि उसे अंदर जाने देना। इसके लिए सुब्रत ने ही शालू को यह कहकर मनाया था कि पिता विनीत विशाल से नाराज रहते हैं। उसके फ्लैट पर आने की जानकारी से वो गुस्सा होंगे। विशाल की एंट्री से पहले फ्लैट के सीसी कैमरे सुब्रत ने ही बंद किए थे। फ्लैट की डुप्लीकेट चाबी विशाल ने ही बनवाई थी। उसने दुकानदार को 100 रुपये भी दिए थे। शालू को इस बात की जानकारी नहीं थी। शालू और विशाल से अलग-अलग पूछताछ हुई।

हालांकि दोनों ने जो बयान दिए वह मैच हुए। शालू ने बताया कि चार सितंबर को उसने विशाल से जन्माष्टमी का सामान मंगाने के लिए फोन किया था। विशाल ने भी यही बयान दोहराए थे। सुब्रत के खिलाफ मिले साक्ष्यों को भी क्लोजर रिपोर्ट में शामिल किया गया है।100 रुपये देकर लारेब से बनवाई थी चाबी- सुब्रत और विशाल शुरुआत में पुलिस को गुमराह कर रहे थे कि चाबी गुमटी में शालू ने बनवाई थी। हालांकि, पुलिस कस्टडी रिमांड के दौरान साफ हुआ कि 80 फीट रोड पर बनारसी चाय वाले के बगल में स्थित गैराज के सामने लारेब से चाबी बनवाई गई थी।इसके लिए सुब्रत ने 100 रुपये दिए थे। पुलिस ने जब लारेब को फोटो दिखाई तो उसने भी इस बात की पुष्टि की है। उस दौरान गाड़ी में शालू मौजूद थी। हालांकि सुब्रत ने उसे कहा था कि एक दुकान के ताले की चाबी खो गई है वही बनवानी है।पुलिस कमिश्नर के झांसे में आकर तोते की तरह जुर्म कबूलता गया सुब्रत- कानपुर के हत्याकांड की साजिश रचने वाला दवा कारोबारी का बेटा सुब्रत गिरफ्तारी के बाद तोते की तरह अपना जुर्म कबूलता नजर आया। उसने मीडिया के सामने भी खुल कर एक-एक बिंदु विस्तार से बताया। उसके कबूलनामे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। दरअसल, सुब्रत के अपना जुर्म कबूलने के पीछे पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल का बिछाया हुआ जाल था। सुब्रत उसमें फंसा और जेल तक पहुंच गया। निर्दोष शालू बाहर निकल सकेगी।दरअसल, हत्याकांड के बाद पुलिस के पास सुब्रत के खिलाफ शुरू से ही मजबूत साक्ष्य थे। आरोपी और उसके बीच कॉल का ब्योरा (सीडीआर) भी था। बार-बार अपने बयान भी पलट रहा था। पुलिस कस्टडी रिमांड में विशाल ने भी कह दिया कि हत्या मैंने सुब्रत भइया के कहने पर की। उन्हीं के कहने पर शालू भाभी का नाम लिया। इसके बाद 23 सितंबर को सुब्रत को सीपी ने बुलवाया।कुछ मजबूत साक्ष्य दिखाते हुए कहा कि तुम्हें जेल भेजा जाएगा। तुम्हारे खिलाफ पर्याप्त सबूत पुलिस के पास हैं। विशाल ने भी तुम्हारा नाम ले लिया है। अगर तुम विस्तार से पूरी घटना बताओगे तो हम विवेचना में इस बात का जिक्र करेंगे कि तुम्हें मजबूर होकर अपने पिता की हत्या की साजिश रचनी पड़ी। यह सुन कर सुब्रत टूट गया। उसने सिलसिले वार ढंग से पूरी साजिश बतानी शुरू की।मां अभी भी सुब्रत के समर्थन में सुब्रत भले ही जेल चला गया हो लेकिन उसकी मां पुनीता अभी भी सुब्रत के समर्थन में हैं। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने अपने रिश्तेदारों से सुब्रत के लिए अच्छा वकील तलाशने के लिए कहा है।यह था पूरा मामला- कानपुर में कल्याणपुर के इंदिरानगर स्थित रतन ऑर्बिट अपार्टमेंट निवासी दवा कारोबारी विनीत मिनोचा (63) की पांच सितंबर देर रात चाकू से गोदकर नृशंस हत्या कर दी गई। हत्यारों ने कारोबारी पर चाकू से 26 से ज्यादा वार किए। वारदात के वक्त वह फ्लैट में अकेले थे। छह सितंबर सुबह चार बजे बेटा-बहू पार्टी से घर लौटे तब वारदात का पता चला। पुलिस कमिश्नर फोर्स संग मौके पर पहुंचे और जांच की।अपार्टमेंट की गैलरी में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए, इनमें कारोबारी का पूर्व कर्मचारी हरबंशमोहाल निवासी विशाल गौतम व उसका साथी राजकिशोर फ्लैट में घुसते और निकलते दिखाई दिए। पुलिस ने छह सितंबर देर रात मुठभेड़ के दौरान दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में पुलिस की गोली लगी थी।

## जमीनी सच्चाई से रू-ब-रू होंगे ईशान आनंद, मायावती के साथ कर सकते हैं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

बसपा में ईशान आनंद अब जमीनी तौर पर सक्रिय होकर समाज और राजनीति की हकीकत समझने का प्रयास करेंगे। इसके लिए वह दौरा करेंगे।बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देश में बाढ़ और सूखे से प्रभावित लोगों की मदद करने का निर्देश पार्टी पदाधिकारियों को दिया है। हालांकि उन्होंने इसके लिए किसी से चंदा जुटाने से मना किया है ताकि इसका कोई नाजायज फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह इन क्षेत्रों का दौरा करने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ईशान आनंद को भेज सकती हैं। वहीं पार्टी के सेक्टर 3 के दोनों राज्यों (यूपी व उत्तराखंड) में हालात का जायजा लेने खुद जा सकती हैं। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि बीते कुछ दिनों से देश के विभिन्न राज्यों में भारी वर्षा, आंधी, तूफान से जनता मुश्किल में है। ऐसे हालात में केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों को प्रभावित लोगों की पूरी मदद करनी चाहिए। महाराष्ट्र के कई इलाकों में सूखे की मार झेल रहे लोगों खासकर किसानों की राज्य सरकार को जमीनी मदद करके फौरी राहत देनी चाहिए।बसपा सुप्रीमो ने कहा कि अब पार्टी संगठन को तीन सेक्टरों में बांटकर चार केंद्रीय सेक्टर प्रभारी बनाए गए हैं। सेक्टर नंबर 1 में 10 राज्य हैं, जिसे बसपा के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम व सुरेश राव देखते हैं। वहीं सेक्टर 2 में 9 राज्य हैं, जिनको पूर्व राज्यसभा सांसद राजाराम व पूर्व विधायक अतर सिंह राव देख रहे हैं। सेक्टर नंबर 3 लखनऊ पार्टी केंद्रीय कैंप कार्यालय द्वारा देखा जाता है। उन्होंने चारों केंद्रीय सेक्टर प्रभारियों से बाढ़ प्रभावितों की मदद करने को कहा है।

## संक्षिप्त समाचार

## पालक महासंघ की बैठक हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ नटेरन पालक महासंघ की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पालकों के द्वारा बताया गया बच्चों को अभी तक ड्रेस नहीं मिली, कुछ लोगों मे पानी व्यवस्था नहीं है नटेरन और शमशाबाद के शासकीय महाविद्यालयों मे नियमित पढ़ाई नहीं होती है आर्ट्स ( कला ) के अलवा कोई विषय न होने के कारण बच्चों को अन्य शहरों मे पढ़ने जाना पढ़ रहा है आर्थिक आभाव के कारण कई बच्चें उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहे है नई शिक्षा नीति लागू कर दी गई है लेकिन कौशल शिक्षा उपलब्ध नहीं है जब संगठन के पदधिकारी गणों ने जब छात्रों से सम्वाद किया गया तो शिक्षा के स्तर मे गंभीर कमी पाई गई इस बैठक मे प्रदेश अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा द्वारा बताया गया है जिले में संगठन के पदाधिकारी टीम गठित कर सभी विद्यालयों का आवश्यक निरीक्षण किया जाएगा जहां-जहाँ कमी पाई जाएगी उन समस्याओ को जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन को ज्ञापन से आवगत कराया जायेगा जिसमें प्रदेश पदाधिकारी गण शामिल हुए प्रदेश महासचिव प्रबोध पंड्या, प्रीतम दांगी, एम एस लहरिया, रामकुमार शर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष नीतेश नामदेव ने आभार व्यक्त किया, मंच का संचालन श्री प्रीतमसिंह दांगी ने किया

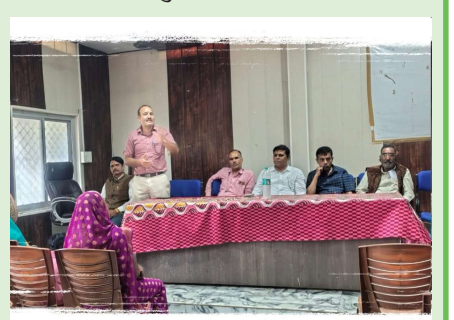

## बढ़ुआ नाले में बह रहे केमिकल से भड़की आग, ऊंची लपटें और काले धुएं के गुबार से मची अफरा-तफरी

नाले में केमिकल से आग भड़क गई। ग्रामीणों ने प्लांट पर केमिकलयुक्त पानी बहाने का आरोप लगाया है।फफूंद-पाता रोड स्थित बढ़ुआ नाले की पुलिया के पास रविवार दोपहर बह रहे केमिकलयुक्त पानी में अचानक आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग नाले के किनारे झाड़ियों तक पहुंच गई। काले धुएं के गुबार और भीषण लपटें उठती देख आसपास के गांवों में अफरा-तफरी मच गई। नाले पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस और पाता प्लांट के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पाता प्लांट और औरैया से दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।खानपुर और बनके पुरवा के बीच गेल पाता प्लांट की बाउंड्री के किनारे पानी निकासी के लिए नाला बना है। यह नाला बढ़ुआ गांव के पास दूसरे नाले में गिरता है। ग्रामीणों के मुताबिक, प्लांट का वेस्टेज पानी भी इसी नाले में जाता है। रविवार को इसी पानी में आग भड़कने के बाद झाड़ियों तक फैल गई।खानपुर-फफूंद पंचायत के ग्राम प्रधान अशोक चक समेत भारत सिंह राजपूत, पवन चक्रवर्ती, सोनू यादव, इंदू सक्सेना, सौरभ चक्रवर्ती, ब्रजेश कुमार, पवन सक्सेना और नीलेश कुमार ने गेल प्रशासन पर नाले में केमिकलयुक्त पानी छोड़ने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि तीन साल पहले भी खानपुर में नाले में आग लगी थी। तब प्लांट अधिकारियों ने भविष्य में केमिकलयुक्त पानी नहीं छोड़ने का आश्वासन दिया था।ग्रामीणों ने कहा कि केमिकलयुक्त पानी से मवेशियों और जलीय जीवों को नुकसान की आशंका है। बारिश के कारण इस समय खेतों में फसल गीली है। फसल कटाई के दौरान ऐसी आग लगती तो सूखी फसल तक पहुंचने पर बड़ा नुकसान हो सकता था।फॉरेंसिक टीम ने लिए केमिकल के नमूने-गेल इंडिया लिमिटेड पाता प्लांट से निकल रहे वेस्ट पानी में ज्वलनशील केमिकल होने की आशंका के बीच अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। सीओ फायर तेजवीर सिंह, सीओ अजीतमल शैलेंद्र सिंह, एसडीएम सदर ब्रह्मानंदन और थानाध्यक्ष अजय कुमार ने नाले के किनारे पहुंचकर प्लांट से पानी आने वाले स्थान को देखा। अधिकारियों ने गेल के कर्मचारियों को पानी का प्रवाह बंद कराने के निर्देश दिए। फॉरेंसिक टीम ने जांच के लिए तीन बोतलों में पानी के नमूने लिए। ग्रामीणों ने बताया पानी में केमिकल साफ दिखाई दे रहा था और तेज दुर्गंध आ रही थी। यह पानी आगे सेंगर नदी में गिरता है।

# खम्हरिया में भारतीय मूल निवासी संघ की बैठक सम्पन्न

**शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुधार और नशामुक्ति को लेकर हुआ व्यापक मंथन**

क्यूँ न लिखूँ सच / मानस मिश्रा /खम्हरिया/सिंगरौली। ग्राम पंचायत खम्हरिया में रविवार को भारतीय मूल निवासी संघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक सुधार और नशामुक्ति जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।

बैठक की अध्यक्षता रामनरेश कोल ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुन्नालाल सिंह गुर्जर तथा विशिष्ट अतिथि राजेश्वरी पनिका एवं चिंतामणि कोल उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। युवाओं को बेहतर शिक्षा के साथ रोजगार के अवसरों से जोड़ने, सरकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा सामाजिक कुरीतियों एवं नशे से दूर रहने के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

इस दौरान स्त्र, स्ट एवं ह्वष्ट वर्ग के सामाजिक उत्थान से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। उपस्थित सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखते हुए कहा कि संगठन को ब्लॉक से लेकर पंचायत स्तर तक मजबूत और सक्रिय बनाया जाना चाहिए, ताकि समाज के जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाया जा सके।

बैठक में सामाजिक एकजुटता, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने तथा रोजगार के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराने को लेकर आगे भी निरंतर कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में लाल सुन्दर सिंह, मिथिलेश साहू, नरेश सिंह टेकाम, बबन सिंह, रंगीलाल बैगा, नागेंद्र सिंह, अनुज प्रताप सिंह, राकेश कुमार वर्मा, महेंद्र सिंह, राम सागर सिंह, उमर मोहम्मद, भुनेश्वर विश्वकर्मा, भोलेन्द्र सिंह, अजय सिंह, राजू साहू सहित सैकड़ों ग्रामीण एवं संघ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक के अंत में समाज के विकास के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता को आधार बनाकर संगठित प्रयास करने पर जोर दिया गया।

# शासकीय भूमि पर स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण का आरोप, ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / मानस मिश्रा / खम्हारडीह। ग्राम पंचायत खम्हारडीह में पानी निकासी एवं विद्यालय के लिए सुरक्षित बताई जा रही शासकीय भूमि आरजी नंबर 1399/1726 के कुछ हिस्से पर कथित अतिक्रमण और निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त शासकीय भूमि पर बिना अनुमति निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जबकि तहसील प्रशासन द्वारा पूर्व में भी कार्रवाई की जा चुकी है।

ग्रामीणों के अनुसार, नगीना देवी पति रामराज मौर्या द्वारा उक्त भूमि के हिस्से में मकान निर्माण के लिए पिल्लर आदि खड़े किए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी इसी भूमि पर निर्माण को लेकर तहसील प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई थी। वर्ष 2024 में स्थगन आदेश की सूचना जारी होने के बावजूद निर्माण किए जाने का आरोप भी ग्रामीणों ने लगाया है।

मामले में तहसील प्रशासन द्वारा प्रकरण क्रमांक 068/अ-68/2026, दिनांक 16 सितंबर 2026 को कारण बताओ नोटिस/स्थगन आदेश जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर निर्माण कार्य जारी है और शासकीय भूमि पर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीणों के मुताबिक, इससे पूर्व कथित अतिक्रमण के मामले में बेदखली की कार्रवाई के साथ 2,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। ग्रामीणों का दावा है कि उक्त जुर्माने की राशि अभी तक तहसील में जमा नहीं की गई है। हालांकि इन सभी तथ्यों की अंतिम पुष्टि संबंधित राजस्व अभिलेख एवं प्रशासनिक रिकॉर्ड से होना शेष है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि भूमि को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है और यदि समय रहते निर्माण पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में ग्राम पंचायत स्तर पर विवाद बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित महिला के व्यवहार को लेकर भी शिकायतें किए जाने की बात कही है, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से की तत्काल कार्रवाई की मांग- ग्राम पंचायत खम्हारडीह के ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन, संबंधित पटवारी एवं चौकी प्रभारी बगदरा से मांग की है कि जारी किए गए स्थगन आदेश का मौके पर पालन सुनिश्चित कराया जाए तथा शासकीय भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल रुकवाया जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में अतिक्रमण की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कब्जा हटाने की कार्रवाई की जाए, ताकि शासकीय भूमि, पानी निकासी व्यवस्था एवं विद्यालय के लिए सुरक्षित भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न हो सके। अब पूरे मामले में प्रशासन द्वारा मौके की जांच और राजस्व अभिलेखों के आधार पर की जाने वाली कार्रवाई पर ग्रामीणों की नजर है।

## संक्षिप्त समाचार

### डिलारी पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी, मुरादाबाद। थाना डिलारी पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की स्पेलेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार संबंधित मामले में प्रकाश में आए आरोपी कुनाल पुत्र विजेन्द्र प्रजापति, उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी ग्राम शिवनगर, थाना ठाकुरद्वारा, जनपद मुरादाबाद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की स्पेलेंडर प्लस मोटरसाइकिल संख्या UP21CE 6604 बरामद की। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे आवश्यक अभिरक्षा में न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राजीव चौहान, उपनिरीक्षक जाकिर अली, हेड कांस्टेबल मनोज चौहान और कांस्टेबल अंकित चौहान शामिल रहे। पुलिस द्वारा आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

### प्राचीन गोरा नदी पुल के ऊपर से पानी उतरने के कारण कई गांव का कस्बा से संपर्क टूट गया

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। पिछले तीन दिन से लगातार रिमझिम बारिश होने से गांव लोहार नगला के पास मौजूद प्राचीन गोरा नदी पुल के ऊपर से पानी उतरने के कारण कई गांव का कस्बा से संपर्क टूट गया है।जिसके चलते अपना दल एस के विधानसभा अध्यक्ष करन गंगवार की अगुवाई में दर्जन भर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर नए पुल निर्माण की मांग की है।सूचना पर पहुंचे तहसील दार आशीष कुमार ने मौका देखकर जल्द समस्या का समाधान करने का भरोसा दिया है।

जानकारी के मुताबिक गांव लोहार नगला और गांव कैथोला बेनीराम के बीच बहने बाली गोरा नदी पर बहुत पुराना पुल बना हुआ है।इस पुल से होकर कैथोला,पडरी खालसा,ज़ालिम नगला समेत दर्जनों गांव के लोग कस्बा फतेहगंज,मीरगंज,बरेली को जाते है। वहीं लोहार नगला, सोरहा के लोग जंगल में अपनी फसल देखने को इसी पुल से गुजरते है।लगातार बारिश होने से जल स्तर बढ़ने से कई फिट पानी पुल के ऊपर से बहने के कारण लोगों का आवा गमन बंद हो गया।गांव कैथोला बेनीराम निवासी अपना दल एस नेता करन गंगवार की अगुवाई में ग्राम लोहार नगला निवासी सिंटू पाठक, जितेंद्र गंगवार आदि ग्रामीणों ने रविवार को पुल के पास बैठकर नए पुल निर्माण करने को लेकर धरना प्रदर्शन किया।सूचना पर पहुंचे तहसील दार आशीष कुमार ने मौका मुआना कर रिपोर्ट नए पुल निर्माण की रिपोर्ट शासन को भेजने का भरोसा दिया।तब ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।उपजिलाधिकारी मीरगंज निधि शुक्ला ने बताया सूचना पर तहसीलदार आशीष कुमार को भेजा था।मौके के हालत देखकर प्राकृतिक आपदा होने के कारण ग्रामीणों को एहतियात बरतने को कहा गया है।पुलिस को भी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है।भविष्य में समस्या का समाधान को लेकर नए पुल निर्माण के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

# सरकार किसानों के नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर दे मुआवजा - दिनेश दद्दा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। लगातार हुई बारिश से किसानों की फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में पुनरापुर, और कंथरिया गांव पहुंचे। कांग्रेस नेताओं ने प्रभावित किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और खेतों में जाकर बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया।

दद्दा ने कहा कि बारिश के कारण खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों के सामने फसल बचाने के साथ-साथ आगामी फसल की तैयारी को लेकर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को अपनी आर्थिक परेशानियों और फसल के नुकसान की जानकारी दी।

दद्दा ने कहा कि बारिश से किसानों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार और प्रशासन से मांग की कि प्रभावित किसानों को नुकसान के आधार पर शीघ्र उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिल सके।

कांग्रेस प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार लगातार किसानों के हितैषी होने का दावा करती है। अब समय आ गया है कि सरकार अपने दावे को जमीन पर साबित करे। बारिश और जलभराव से जिन किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं, उनका निष्पक्ष सर्वे कराकर उन्हें पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसानों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि तत्काल राहत की आवश्यकता है। यदि सरकार ने किसानों के नुकसान की भरपाई के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए तो कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खड़ी होकर जनआंदोलन करेगी और सरकार के समक्ष किसानों की आवाज मजबूती से उठाएगी।

महानगर अध्यक्ष दिनेश ददद्दा एडवोकेट, किसान नेता डॉ हरीश गंगवार ,सुरेश दिवाकर, उल्फत सिंह कठेरिया, तीरथ मधुकर आदि नेता शामिल रहे।

# डिलारी में लगातार बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, धान और गन्ने की फसल को नुकसान

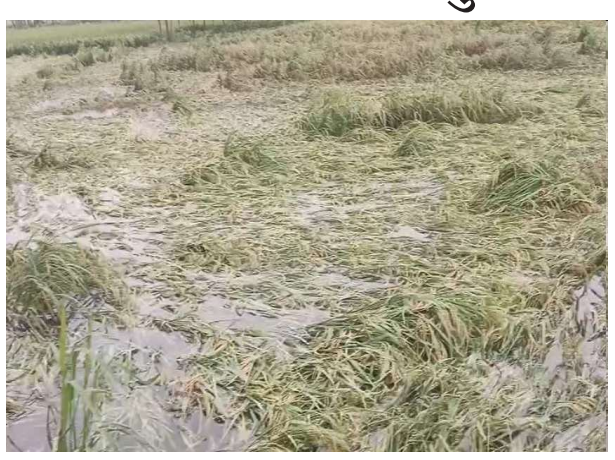

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। मुरादाबाद : जिला मुरादाबाद क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। लगातार बारिश और हवाओं के कारण खेतों में खड़ी धान और गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचने लगा है। खासकर पककर तैयार धान की फसल हवा और बारिश के चलते खेतों में गिर गई है। किसानों का कहना है कि धान की फसल इस समय पककर तैयार है और कई किसान कटाई की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में अचानक हुई लगातार बारिश से फसल गिरने के साथ ही दाने खराब होने की आशंका बढ़ गई है। वहीं, गन्ने की फसल पर भी बारिश और हवाओं का असर देखने को मिल रहा है।बारिश के कारण खेतों में पानी जमा होने और फसल गिरने से किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह बना रहा तो तैयार फसल को और अधिक नुकसान हो सकता है। बारिश के चलते क्षेत्र के किसान अब मौसम साफ होने और फसल को बचाने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

# सेवा संकल्प अभियान के तहत 28 से 30 सितंबर तक लगेंगे सेवा सेतु कैंप

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशन में संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न विकासखंडों में 28 से 30 सितंबर तक विकासखंड स्तरीय 'सेवा सेतु कैंप' आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना और राशन से जुड़ी समस्याओं का मौके पर निराकरण करना है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नरवर, कोलारस और पिछोर में 28 सितंबर, करैरा, बदरवास और शिवपुरी में 29 सितंबर, जबकि पोहरी और खनियाधाना में 30 सितंबर को कैंप आयोजित होंगे। ई-केवाईसी और मोबाइल सीडिंग की सुविधा- कैंप में नवीन पात्रता पर्ची के लिए आवेदन करने वाले प्रतीक्षारत हितग्राहियों की ई-केवाईसी की जाएगी। वर्ष 2021 से पूर्व ई-के वाईसी करा चुके पात्र हितग्राहियों की री-ईकेवाईसी भी कराई जाएगी। इसके अलावा राशन वितरण से संबंधित एसएमएस प्राप्त करने के लिए जिन परिवारों के मोबाइल नंबर दर्ज नहीं हैं अथवा गलत दर्ज हैं, उनके सही मोबाइल नंबर डेटाबेस में अपडेट किए जाएंगे। राशन नहीं मिलने की शिकायतों का होगा समाधान नवीन पात्रता पर्ची जारी करने तथा राशन नहीं मिलने से संबंधित सीएम हेल्पलाइन एवं सीपी ग्राम पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और वन नेशन वन राशन कार्ड योजना की जानकारी भी हितग्राहियों को दी जाएगी। शिविरों में गेहूं, चावल और नमक के सैंपल प्रदर्शित कर खाद्यान्न की गुणवत्ता के संबंध में भी हितग्राहियों को जानकारी दी जाएगी। खाद्य विभाग के साथ पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, नापतौल, समग्र/आधार सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी कैंप में उपस्थित रहने के लिए आमंत्रित किया गया है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित सेवा सेतु कैंप में पहुंचकर राशन एवं खाद्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं का निराकरण कराएं और पात्र योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

## सेवा से संकल्प अभियान के तहत 'बड़नगर से वाराणसी–जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' खामखेड़ा कस्बा पहुंचने पर विधायक ने किया स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ जनप्रतिनिधियों ने किया यात्रा का स्वागत, योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर लिए अनुभव एवं सुझाव सेवा से संकल्प अभियान के तहत 'बड़नगर से वाराणसी–जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' गत दिवस विदिशा जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत खामखेड़ा कस्बा पहुंची। यात्रा के पहुंचने पर शमशाबाद क्षेत्र के विधायक श्री सूर्य प्रकाश मीणा, जनपद पंचायत विदिशा के अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी 'कक्का' सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने संकल्प यात्रा का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर संकल्प यात्रा में शामिल टोली द्वारा यात्रा के उद्देश्य एवं गतिविधियों की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को दी गई। टोली ने जल संरक्षण, जनभागीदारी और सेवा के संकल्प को केंद्र में रखते हुए ग्रामीणों से संवाद किया तथा क्षेत्र में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों के संबंध में जानकारी साझा की। यात्रा के दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उनसे मिल रहे लाभों की जानकारी प्राप्त की गई। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से उनके अनुभव, योजनाओं से मिली सुविधाओं तथा भविष्य के लिए उनके सुझाव भी लिए गए। लाभार्थियों ने योजनाओं के माध्यम से प्राप्त सुविधाओं और उनसे अपने जीवन में आए बदलावों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय स्तर पर संचालित विकास कार्यों तथा जनहित से जुड़े विषयों पर भी संवाद हुआ। संकल्प यात्रा के माध्यम से जनभागीदारी को बढ़ावा देने, योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने तथा नागरिकों के अनुभव और सुझावों को सामने लाने का प्रयास किया गया।

### लिप्टिस के दो पेड़ गिरने से आठ गांवों की बिजली गुल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।स्थानीय बिजली घर से पट्टी को जाने वाली लाइन पर बुधवार को बड़ा फाल्ट हो गया। जानकी देवी इंटर कॉलेज परिसर में खड़े लिप्टिस के दो पेड़ टूटकर हाई टेंशन लाइन पर गिर गए।जिससे कई गांवों की आपूर्ति ठप हो गई। बिजली गुल होने से माधोपुर, रसूला चौधरी, मीरापुर, रहपुरा जागीर, उनासी, मनकरी, आत्रेय, कोल्हापुर और पंवारिया गांव के लोग प्रभावित हुए। रात से पूरे दिन विद्युत आपूर्ति नहीं होने इन गांव में लोग मोबाइल चार्ज करने तक को तरसते रहे। सूचना पर विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पेड़ों को हटाकर लाइन ठीक करने में जुट गई।जेई रमेश गौतम ने बताया टीम फाल्ट दुरुस्त कर रही है।शाम तक आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

# What disease does frequent belching indicate? Learn when ignoring it can be costly.

**If you're someone who frequently belches, this article is useful. We'll explain the reasons behind it. Frequent belching may seem like a common problem, especially after eating. However, if it persists accompanied by stomach pain, or a to a digestive to simply ignore explore the common what symptoms consultation, and changed to reduce Frequent Burping: 1. Excessive air can too quickly, talking drinking through a belching. 2. sparkling water and excess gas in the frequent belching. 3. acid moves upwards, belching, sore throat Indigestion and gas: some foods which the cause gas and Gastritis: Due to of the stomach, some problems like belching and If milk or some other**

**throughout the day, or is bloating, gas, heartburn, sour belching, it could be due problem. Therefore, it's not wise belching. In this article, let's causes of frequent belching, should prompt a doctor's what daily habits can be this problem. Causes of Excessive Air Swallowing: enter the stomach when eating while eating, chewing gum, or straw. This can increase Carbonated drinks: Soda, other fizzy drinks can cause stomach, which can lead to Acid reflux: When stomach it can cause heartburn, sour and frequent belching. 4. Eating too much, fried food or body cannot digest easily can heaviness in the stomach. 5. inflammation in the inner lining people may experience stomach ache, nausea, early belching. 6. Due to some foods: foods do not suit the body, then gas, bloating and belching can increase after consuming them. When to consult a doctor? If belching persists or is accompanied by symptoms like severe stomach pain, frequent vomiting, difficulty swallowing, unexplained weight loss, vomiting blood, or black stools, then a doctor should be consulted immediately. If belching is accompanied by chest pain or difficulty breathing, it should not be ignored thinking it to be just gas. What to do to reduce belching? Eat slowly and chew food thoroughly. Reduce the intake of carbonated drinks and chewing gum. Try to eat small amounts of food instead of eating large amounts at once. If the problem occurs repeatedly after eating a particular food item, then limiting its intake and consulting a doctor may be considered.**

# Women, take note: These period signs may indicate a health problem. Learn the full story from your doctor.

**Every woman needs to understand that her period can help her determine her health. Let's find out what doctors have to say about this. In women's health, periods are often viewed solely as menstruation, but changes in their cycle can reveal many important health issues. Problems like missed periods, changes in bleeding, or increased pain can be a source of concern for many women. Often, women ignore these changes, assuming they are normal. But is every change normal? What changes in periods should women pay special attention to, and when is it necessary to consult a doctor? To learn more about this, let's learn from Dr. Shweta Mendiratta, Director and Unit Head, Obstetrics and Gynecology, in this article about which menstrual signs should not be ignored. Consistently irregular periods - Occasional periods can be normal. Stress, travel, or changes in routine can also cause this. However, if periods remain irregular for a long time, conditions like PMOS or thyroid may need to be investigated. Excessive bleeding - If bleeding is significantly heavier than normal during periods or persists for a long time, it should not be ignored. Prolonged heavy bleeding can lead to iron deficiency and anemia. Sudden light bleeding or cessation of periods - Sudden lightening of periods or temporary cessation of periods can be caused by many factors. Pregnancy, rapid weight loss, inadequate nutrition, excessive exercise, and hormonal changes may be possible reasons for this. Severe pain during periods - Mild pain or cramps can be common during periods. However, if the pain is so severe that it interferes with work, sleep, or exercise, and requires frequent pain medication, it should be evaluated by a doctor. Conditions like endometriosis, adenomyosis or fibroids can also cause more pain. Bleeding between periods - If there is sudden bleeding or frequent spotting between two periods, it is important to understand its cause. The reason behind this could be hormonal changes or other gynecological reasons. If this problem is happening continuously, then it is better to seek medical advice. Lifestyle can also have an impact - Constant stress, lack of sleep, sudden weight change, eating too little or exercising excessively can also affect the menstrual cycle. Therefore, instead of getting worried about a one-time change, it is important to see whether the problem is happening again and again or not.**

# Relationship Tips: Why does a wife get angry frequently? These husbands' habits could be the reason

**Wives feel hurt when men don't understand or value their wife's feelings. Furthermore, constantly comparing her and finding fault with her decisions can create distance in the relationship. Love, trust, and understanding are essential in a sometimes a wife's good mood suddenly turns sour. husband. Men, knowingly or unknowingly, do are different, so it's not necessary that every wife and respect in relationships can often increase A wife feels hurt when men don't understand or fault with their decisions can create distance in the whether your behavior is the real reason. Ignoring her concerns, she may feel that her feelings are openly in a relationship. Comparisons - Such comparisons can affect self-confidence and publicly mocking her, or constantly dismissing disagreements, respectful communication is the responsibilities to be solely the responsibility of one sharing of responsibilities can improve a**

**husband-wife relationship. Most couples possess these three qualities, but This isn't due to mood swings, but rather due to some mistakes on the part of the things that cause their wives to feel upset. Every person's feelings and expectations reacts the same way to a husband's words. However, a lack of communication tension. Wives are more hurt or upset when their husbands ignore their concerns. value their feelings. Additionally, repeatedly comparing your partner and finding relationship. Find out if your wife often seems angry or in a bad mood, and things - If your husband doesn't listen carefully to your wife or constantly ignores being neglected. It's important to spend time with each other and communicate Comparing your wife to a friend, relative, or other person can be off-putting. create unnecessary stress. Lack of respect - Using derogatory language in anger, your partner's opinions can harm the relationship. Even when there are best option. Sharing responsibilities - Considering household and family person can also lead to resentment. Cooperation in everyday tasks and fair relationship. The most important thing is to speak directly and calmly to your partner, rather than assuming resentment. Open communication can prevent many small problems from escalating into larger ones.**

# Aarav Bhatia: Akshay Kumar's son looked unique, stole the show at his birthday party; users loved his fashion sense

**Aarav Bhatia, son of Akshay Kumar, has caught the attention of users with his fashion sense. A photo from his birthday party has surfaced. Bollywood star Akshay Kumar's son, Aarav Bhatia, often keeps a distance from social media. However, whenever he is seen, it's special. Recently, a glimpse of him from his birthday party surfaced, catching the attention of social media users. Users are praising Aarav's fashion sense. What's Aarav's look like? - In the glimpse from Aarav's birthday party, Aarav can be seen wearing a yellow and pink coat. He has a pink scarf tied around his head. He paired this with grey trousers and a T-shirt. He also wore various garlands. Aarav's look at his birthday party was quite different from other star kids. Many users have commented on his look and praised him. Who is Aarav? Aarav Bhatia is the son of Akshay Kumar and actress Twinkle Khanna. Born on September 15, 2002, Aarav is a star kid. While his parents are prominent Bollywood actors, his mother is also a writer. Despite his parents' stardom, Aarav has chosen a different path. He is pursuing a career in fashion. In which field does he want to pursue a career? According to Akshay Kumar, his son Aarav does not want to enter films. He wants to pursue a career in fashion. The actor has not pressured his son to enter films, but rather gives him the freedom to choose his own path. Akshay Kumar's work front: On the work front, he recently appeared in the film "Haiwaan," directed by Priyadarshan and also starring Saif Ali Khan. He will soon be seen in Anees Bazmee's film. He will also be part of the Marathi film "Vedaat Marathe Veer Daudle Saat." Apart from this, he will also be a part of the film 'Golmaal 5'.**

# The song "Bhabhi Tabahi" from Yami Gautam's film has been released. Mohini arrives at her in-laws' house as a daughter-in-law. What's so special about the song?

**The first song, "Bhabhi Tabahi," from Yami Gautam's highly anticipated film "Nai Naveli," has been released. This song combines comedy with thrills. The makers have released the first song, "Bhabhi Tabahi," from actress Yami Gautam's upcoming film "Nai Naveli." The actress looks absolutely beautiful in this song, portraying the role of a daughter-in-law. Find out how this new song is. What's special about "Bhabhi Tabahi"? - Yami Gautam looks absolutely beautiful in this new song, "Bhabhi Tabahi," from the film "Nai Naveli." In the film, she plays the character of a girl named Mohini, a character quite different from ordinary girls. In the song, Mohini is at her in-laws' house, and her "Mooh Dikhai" ceremony is underway. The courtyard of the house is set up, with the entire family present. She is both dancing and singing. The family appears overjoyed with the arrival of the new daughter-in-law. New daughter-in-law or new trouble? - In this song, the arrival of the new daughter-in-law is filled with joy. But in the middle, two people signal to Yami that they have their eyes on her. She simply laughs in response, hinting at a deeper secret. According to glimpses of the film, whether the new daughter-in-law is a relief or a disaster will be revealed only in the film. Cast of the film "Nayi Naveli" - Besides Yami Gautam, actors like Adinath M. Kothare, Anurag Thakur, Sunita Rajwar, Mita Vashisht, Aditya Kulshrestha, Sushmita Mukherjee, Sonal Jha, Sunil Sinha, Prateek Pachauri, Akshat Singh, Babita Pandey, Ajay Pal, and Neeraj Singh will also be seen in important roles. About the film "Nayi Naveli" - The film "Nayi Naveli" is scheduled to release on October 16, 2026, on the occasion of Dussehra. The film stars Yami Gautam Dhar and Adinath in lead roles. It is directed by Balaji Mohan. It is written by Himanshu Sharma and Divya Nidhi Sharma. It is jointly produced by Aanand L. Rai and Himanshu Sharma. The music is composed by G.V. Prakash Kumar.**

# Love and War: Is this dance video from Alia Bhatt's film? Claims are being made: Users react

**A dance video is going viral on social media. It's claimed that the video is from the upcoming film "Love and War." Users are reacting to the video. Sanjay Leela Bhansali's upcoming film "Love and War" is one of the most anticipated films. The film stars Ranbir Kapoor, Alia Bhatt, and Vicky Kaushal. On Thursday, the makers released posters of Ranbir's character, and on Friday, Alia's posters were released. She looks stunning in the posters. Alia will be seen playing a dancer in the film. Following the posters, a video surfaced on social media, claiming it to be a dance sequence from the film. What's in the viral video? In the viral video, a girl can be seen dancing powerfully on stage. It's claimed that this is Alia Bhatt. Her outfit is quite bold and she also has a feather crown on her head. The other dancers accompanying her are wearing silver-colored outfits. Users excited after watching the video: Although Alia's face is not clearly visible in the video, she is wearing the same outfit as in the posters. After watching the video, viewers are even more excited to see "Love and War." Netizens' reactions to the video: Reacting to the viral video, one netizen tweeted, "If this is real, the song is really great, isn't it? Bhansali's music is coming back to us. Alia Bhatt too? Awesome. This could be her hottest role yet." Another user wrote, "Awesome. It's a Bhansali film, so we're bound to get good and new music." Another netizen tweeted, "She's dancing really well. I wasn't too impressed with the poster, but I'm sure the song will be good. Alia is adept at capturing a character's attitude and body language. This is clearly visible in this clip."**